Need for effective implementation of Pradhan Mantri Poshan Yojana in the country.-laid

श्री अरुण गोविल **(मेरठ) :** भारत में आज भी लाखों बच्चों और माताओं को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पा रहा है । ये स्थिति केवल स्वास्थ्य से जुड़ी नहीं, बल्कि देश के भविष्य से भी जुड़ी है । कुपोषण से न केवल बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास बाधित होता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की उत्पादकता और आत्मनिर्भरता भी प्रभावित होती है । प्रधानमंत्री पोषण योजना एक प्रभावशाली पहल है, जिसका उद्देश्य सरकारी स्कूलों और आंगनवाड़ियों में बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना है । लेकिन योजना की सफलता इसके सही और सशक्त क्रियान्वयन पर निर्भर करती है । कई बार योजनाएं ज़मीनी स्तर पर लागू नहीं हो पातीं, या उनके लाभ अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंचते । समस्या केवल भोजन की कमी नहीं, बल्कि पोषण के प्रति जागरूकता की भी है । हमें ज़रूरत है स्कूलों, आंगनवाड़ियों, माताओं और समुदायों को इस दिशा में संगठित करने की । सरकार, समाज और नागरिकों ? तीनों का साझा उत्तरदायित्व है कि हम यह सुनिश्चित करें कि देश का कोई बच्चा भूखा और कुपोषित न रह जाए । जब हर बच्चा स्वस्थ होगा, तभी भारत सशक्त होगा । अतः मेरा सरकार से आग्रह है कि इस योजना की निगरानी और क्रियान्वयन को और भी प्रभावी बनाया जाए ।